सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण - १

रविवार, १५ जुलाई, २००७ **समय : सुबह ९.०० से १२.००** **कुल अंक : १००**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

BAPS CENTENARY 1907-2007

इस कोष्टक में
प्रवीण-१ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर **लगाने का नहीं है ।**

☞ **परीक्षार्थी की विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है । कृपिया उस पर किसी प्रकार का नुकशान मत किजिए ।**

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइज़र हस्ताक्षर करें ।

वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (६)	
	२ (५)	
	३ (४)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (८)	
	११ (८)	
	१२ (५)	
	१३ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
विभाग-३, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए । (कुल गुण : ६)

१. भगवान को सर्व कर्ता-हर्ता जानने की आवश्यकता ।
२. भगवान सर्वोपरि हैं, यह निष्ठा आवश्यक है ।
३. गुणातीत संत के लक्षण ।
४. भगवान में मनुष्यभाव देखने से हानियाँ ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ३

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (कुल गुण : ५)

उदाहरण : ''मारुं धाम छे रे, अक्षर अमृत जेनुं नाम ।
तेमां हुं रहुं रे, द्विभुज दिव्य सदा साकार ॥''

उत्तर : धाम में और पृथ्वी पर – दोनों जगह सदा साकार ।

१. उस समय जो जीव संत का समागम करके इन पुरुषोत्तम भगवान की ऐसी महिमा को समझ लेता है, तभी उसकी इन्द्रियाँ और अंत:करण, सब पुरुषोत्तममय हो जाते हैं । तब उनके द्वारा उन भगवान का निश्चय होता है । गुण : १

....

२. बेसे राजा गादी पर कोय रे, छोडे बंधिवानना बंध सोय रे;
तेम बंधथी छोड्या बहु जन रे, पोते प्रगट श्री भगवन रे । गुण : १

....

३. यदि कोई इन साधु की सेवा करता है, तो भगवान की सेवा करने तुल्य उसका फल होता हैं । गुण : १

....

४. द्वे वाव ब्रह्मणो रूपे मूर्तं चैवामूर्तं च । गुण : १

....

५. अवजानन्ति मां मूढा मानुषीं तनुमाश्रितम् । गुण : १

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. परब्रह्म ब्रह्म को लीन करते हैं – इसके उदाहरण । गुण : २

(१) [ ] लकड़ी में अग्नि का प्रवेश । (२) [ ] लोहे में अग्नि का प्रवेश ।

(३) [ ] बर्फ़ में अग्नि का प्रवेश । (४) [ ] सूर्य के प्रकाश में, तारे एवं चन्द्रमा के प्रकाश का विलीन ।

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

२. निष्कुलानन्द स्वामी की संतमहिमा विषयक पंक्तियाँ ।

गुण : १	

(१) [ ] संत बोले ते भेळो हुं बोलुं रे, संत न भूले हुंये न भूलुं रे,
संत वात भेली करुं वात रे, एम संतमां छउं साक्षात् रे ।

(२) [ ] एवा संत हरिने प्यारा रे, तेथी घडीए न रहे वा'लो न्यारा रे ।

(३) [ ] साहब का घर संतनमांही, संत साहब कछु अंतर नाहीं ।

(४) [ ] कामदुधा कल्पतरु, पारस चिंतामणि चार, संत समान एके नहि, में मनमां कर्यो विचार ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> प्रसंग का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें । (कुल गुण : ४)

१. पार्षद चारा काटने गए । २. पर्वतभाई को चौबीस अवतार के दर्शन हुए । ३. केशवजीवनदास को अक्षर की निष्ठा ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित किन्हीं दो विषयों के बारे में विवरण कीजिए ।(बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. भगवान अक्षरधाम में और पृथ्वी के उपर साकार हैं ।

२. प्रकट भगवान या भगवान के संत द्वारा मोक्ष ।

३. अक्षरब्रह्म एक और अद्वितीय ।

४. उत्पत्ति सर्ग । (सिर्फ विवरण लिखे ।)

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४ [ ]

( ) ....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित किन्हीं दो के बारे में कारण लिखें । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. साधक के जीवन में उपासना की आवश्यकता ।

२. श्रीजीमहाराज ने परमहंसों को कबूतर के कबूतर कहा ।

३. शास्त्रीजी महाराज भोयका मालजी सोनी से मिलने गये ।

४. महाराज ने कहा, 'मेरा पैर निकालो, नहीं तो हड्डी टूट जाएगी ।'

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-६	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ७ उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना ?)

१. धाम में जो परब्रह्म का ....

....

....

....

.... वही ये श्रीजीमहाराज हैं । गुण : १

२. पुरुषोत्तम की ....

....

....

....

....

.... भिन्न भिन्न है । गुण : १

३. सगुण और ....

....

.....

.....

.....

.....

.....

..... सूक्ष्म से भी सूक्ष्म है । गुण : १

४. अक्षरब्रह्म का साधर्म्य .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... अंत में तीनों रहते हैं । गुण : १

(उपासना में क्या न समझना ?)

१. अक्षरब्रह्म मूर्तिमान .....

.....

.....

..... तेज है, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

२. प्रकट ब्रह्मस्वरूप .....

.....

..... सकते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए । गुण : १

३. अकेले अक्षरब्रह्म .....

.....

..... सकते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए ॥ गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ टूंकनोंध लिखिए । – अवतार कितने हुए हैं ? वे सब समान हैं ? या उनमें कोई भेद हैं ? **(कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८	

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए ।(कुल गुण : ९)

१. ''जब घर के मालिक आप स्वयं यहाँ आए, तब नौकर को क्या चिंता ।'' **(स.वा.भा. ३)** **अथवा**

२. ''मुझे तो कोठार में से जैसा मिलता है, उसीको पका लेता हूँ ।'' **(स.वा.भा. ३)**

(   ) कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

.... गुण : ३ [ ]

३. ''आप ऐसा संकल्प करें की मूशलाधार बारिश हो, और गोमती तालाब पानी से छलछला जाए ।'' **(स.वा.भा. ३)**

अथवा

४. ''भाई, हरि के जन तो सबको होना है ।'' **(युगविभूति)**

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

५. ''आपको बच्चे से बहुत अधिक लगाव था ।'' **(युगविभूति)** **अथवा**

६. ''इसे बाहर भी मत जाने देना, अन्यथा लोग लकड़ी, डंडे लेकर खड़े हैं ।'' **(युगविभूति)**

( ) कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... | गुण : ३ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. सारंगपुर के वाघा खाचर को भक्तों की सेवा करने की अनुकूलता हुई । **(स.वा.भा. ३)** **अथवा**

२. कुशलकुंवरबा को श्रीजीमहाराज के स्वरूप में दृढ प्रतीति हो गई । **(स.वा.भा. ३)**

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

.....

३. डेविड को लगा कि जैसे प्रमुखस्वामी ही आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा है । **(युगविभूति)** **अथवा**

४. अफ्रिकी अधिकारियों को लगा कि वे इस पृथ्वी पर एक अलग प्रकार के महामानव का दर्शन कर रहे है । **(युगविभूति)**

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए । (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. निष्कुलानन्द स्वामी की उत्कट वैराग्यभावना । **(स.वा.भा. ३)** **अथवा**

२. शिवलाल सेठ की नि:स्पृहिता । **(स.वा.भा. ३)**

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. ओदरका और कुकड गाँव के बीच २०० वर्षों की शत्रुता और ईर्ष्याग्नि का शमन । **(युगविभूति)** **अथवा**

४. भाषा के बंधन से पर । **(युगविभूति)**

( ) .....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-११	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. मुकुंददास ने आत्महत्या करने का निर्णय क्यों किया ? **(स.वा.भा. ३)**

गुण : १	

.....

.....

२. पर्वतभाई श्रीजीमहाराज के पलंग से दूर क्यों बैठे ? **(स.वा.भा. ३)**

गुण : १	

.....

.....

३. रघुवीरजी महाराज का त्याग किस के त्याग के बराबर था ? **(स.वा.भा. ३)**

गुण : १	

.....

.....

४. लंदन में स्वामीश्री रात को ढाई बजे क्यों प्रार्थना कर रहे थे ? **(युगविभूति)**

गुण : १	

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२		प्र-१३	

५. स्वामीश्री ने अपने ५१ वे जन्मदिन को सुबह उठकर क्या सेवा की ? **(युगविभूति)** गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. कुशलकुंवरबा की समर्पण भक्ति । **(स.वा.भा. ३)** गुण : २

(१) ☐ महाराज और संतों को नित्य नवीन मिठाइयाँ खिलाती थी ।

(२) ☐ राज्य अर्पण करने के लिए तत्पर हुए ।

(३) ☐ महाराज अविरत धारा से घी परोसते थे, यह देखकर आनन्द विभोर हो जाते थे ।

(४) ☐ पौत्र विजयदेव को परमहंस करने के लिए समर्पित किया ।

२. निष्कुलानन्द स्वामी का कला-कौशल्य । **(स.वा.भा. ३)** गुण : २

(१) ☐ धोलेरा मन्दिर के घुम्मट तथा कमान । (२) ☐ गढ़डा में अक्षरओरडी ।

(३) ☐ भादरा में नाव बनाई । (४) ☐ वरताल में बारह द्वार का हिंडोला ।

३. स्वामीश्री परदेश के किन किन महानुभावों से मिले ? **(युगविभूति)** गुण : २

(१) ☐ प्रो. यारोस्लेव फ्रिच । (२) ☐ दलाई लामा । (३) ☐ टोनी ब्लेयर । (४) ☐ रोन पटेल ।

४. प्रमुखस्वामी महाराज की प्रशंसा के प्रतिभाव किस किसने दिए ? **(युगविभूति)** गुण : २

(१) ☐ श्री चिन्ना जिअर स्वामी (२) ☐ स्वामी आत्मानंदजी

(३) ☐ प्रो. यारोस्लेव फ्रिच (४) ☐ डॉ. कुरियन

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्तियों में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १५)

१. B.A.P.S. की स्थापना में शास्त्रीजी महाराज का भगीरथ पुरुषार्थ । २. हमारे सच्चे मित्र - प्रमुखस्वामी महाराज ।

३. देश का सच्चा धन - संस्कारी युवक ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१४	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें